# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम The Indian Express

दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-2

**CCSHAU (SEMINAR)**

A two-day national seminar on the occasion of ranking of agricultural universities, a two day National Symposium in association with the Indian Agricultural Universities Association India was launched by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. Governor of Gujarat Acharya Devvart as the chief guest graced the occasion. Governor Acharya Devvart addressed the assembled gathering that I have been visiting this university for the last 3-4 years. Whenever I come to this university, every time something new and innovative appears.

# लोक संपर्क कार्यालय
# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune

दिनांक 19.9.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

## USE OF COARSE GRAINS STRESSED

**Hisar:** CCSHAU Hisar organised one-day national workshop on production, processing and value addition of nutri-cereals in India financially supported by the National Food Security Mission. Emphasising on the use of coarse grains, Vivek Aggarwal, a joint secretary at the Centre, stated that these nutri-cereals have more nutrients as compared to wheat and rice and also these crops consume less water and resources. "Currently, bajra, jowar and ragi have good MSP and the government is trying to bring MSP for other millets as well. Therefore, the production of these crops should be enhanced. The area under millet cultivation is reducing whereas the productivity has increased," he said. Prof KP Singh, Vice-Chancellor, HAU, emphasised on the production of crops like bajra, jowar and ragi.

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ........ दैनिक भास्कर ........
दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-8

## 13वीं रैंकिंग ऑफ एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया कार्यक्रम का आयोजन, नैचुरल फॉर्मिंग को बढ़ाने से होगी अधिक पैदावार : आचार्य देवव्रत

# एचएयू 18 पॉइंट की जम्प के साथ कृषि विश्वविद्यालयों में पहुंचा दूसरे स्थान पर

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में 13वीं रैंकिंग ऑफ एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात के गवर्नर आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न यूनिवर्सिटीज के वीसी और प्रोफेसर उपस्थित रहे। यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. केपी सिंह ने कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि और गेस्ट ऑफ ऑनर सहित सभी का स्वागत किया। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए एचएयू की उपलब्धियों और यूनिवर्सिटीज द्वारा शुरू किए नये विभाग जिसमें फिशरीज, बायोटेक्नोलॉजी जैसे नए विषयों की जानकारी दी।



कार्यक्रम में मौजूद एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह व गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत।



मुख्यातिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ।

18 पॉइंट कि जम्प के साथ यूनिवर्सिटी कृषि विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान पर है। मुख्य अतिथि गवर्नर आचार्य देवव्रत ने कहा कि किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नैचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि वह खुद 200 एकड़ जमीन की खेती रासायनिक तरीके से कर चुके हैं। जिससे खेतों से अधिक पैदावार होती है। उन्होंने 60 के दशक का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पर पेट भरने के लिए अनाज नहीं था और आयात करना पड़ता था। वैज्ञानिकों और किसानों की मेहनत से हरित क्रांति आई जिससे बढ़ती हुई जनसंख्या का पेट भरा जा सका। हम धरती की क्षमता से अधिक दोहन कर चुके हैं जहां एक एकड़ में 10 से 20 किलो रासायनिक खाद से भरपूर उत्पादन होता था अब 4-5 बैग रासायनिक खाद डालने पर भी उत्पादन नहीं बढ़ रहा है जिससे किसान की लागत बढ़ गई। उन्होंने महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पिछले साल 40 किसान केवल पेस्टीसाइड का छिड़काव करते हुए उनकी गंध से ही मर गए। हर 50वां आदमी आज कैंसर व हार्टअटैक जैसे रोगों से पीड़ित है। जहां पेस्टीसाइड का प्रयोग ज्यादा है वहां रोगों की संख्या उतनी ही ज्यादा है। उन्होंने गुरुकुल कुरुक्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि आज से 25 साल पहले 50 एकड़ जमीन पास के गांव वालों को लीज पर दी थी। दो साल पहले वे किसान मेरे पास आए और जमीन को बंजर बताते हुए वापस लौटा दी। जब जमीन की मिट्टी की जांच की गई तो उसका आर्गेनिक कॉर्बन 0.3 से 0.4 मिला जिस कारण फसल नहीं हो पा रही थी। उस जमीन में धनजीवामृत डाला तो पहले ही साल 20 से 25 क्विंटल धान प्रति एकड़ पैदा हुआ जो दूसरे साल बढ़कर 32 क्विंटल हो गया। जब दोबारा मिट्टी की जांच करवाई गई तो उसका आर्गेनिक कॉर्बन बढ़कर 0.8 से 0.9 हो गया। आईएयूए के अध्यक्ष व जूनागढ़ यूनिवर्सिटी के वीसी कर्नल डॉ. एआर पाठक ने बताया कि साल में आईएयूए के चार प्रोग्राम ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन, कॉन्फ्रेंस, सिम्पोजिम व एनुयल मीटिंग होते हैं। आईसीएआर और एनआईआरएफ रैंकिंग लागू होने से कृषि यूनिवर्सिटी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे कृषि यूनिवर्सिटी की रैंकिंग सिस्टम में और अधिक सुदृढ़ करने के लिए और उसकी खामियों को दूर करने आदि विषयों पर और प्रयास करने के बारे भी चर्चा की जाएगी।

### विवि किसानों के लिए, किसानों के द्वारा व किसानों को समर्पित : प्रो. केपी सिंह

यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. केपी सिंह ने कर्म ही धर्म की विचारधारा पर विश्वास जताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों के लिए, किसानों के द्वारा और किसानों को समर्पित है। इस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र के उत्थान में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए 2015-16 के लिए स्वर्गीय डॉ. पीएस लांबा को और 2017-18 के लिए डॉ. देवराज बुम्बला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किए गए। निदेशक, मानव संसाधन व कार्यक्रम के सचिव डॉ. एम.एस.सिद्धपुरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर आईएयूए के सचिव डॉ. आरपी सिंह व विभिन्न विश्वविद्यालयों के वीसी सहित एचएयू के अधिकारी, वैज्ञानिक, छात्र व कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भूमि .....
दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. ..... 11 ..... कॉलम ..... 1-6 .....

## सेब में बेतहाशा कीटनाशक डालने से रोहड़ू में बढ़े कैंसर के 25 फीसदी मरीज

# पंजाब के भटिंडा में चलती है कैंसर ट्रेन : आचार्य देवव्रत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

देश में हर 50वां आदमी कैंसर तथा हार्ट अटैक जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित है। यह बात हकृवि में इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कही। उन्होंने कहा कि पंजाब के भटिंडा एरिया में एक ट्रेन चलती है जिसे लोग कैंसर ट्रेन कहते हैं। इसी तरह हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में सेब का उत्पादन बढ़ाने के लिए 13 से 14 स्प्रे किये जाते हैं। इसके चलते वहां कैंसर के मरीजों की संख्या 25 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने 60 के दशक का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पर पेट भरने के लिए अनाज नहीं था और आयात करना पड़ता था। वैज्ञानिकों और किसानों की मेहनत से हरित क्रांति आई जिससे बढ़ती हुई जनसंख्या का पेट भरा जा सका।

- हकृवि में भारत के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया

### खेती के लिए किसान को लेना पड़ रहा कर्ज

आचार्य देवव्रत ने कहा कि हम धरती की क्षमता से अधिक दोहन कर चुके हैं जहां एक एकड़ में 10 से 20 किलो रासायनिक खाद से भरपूर उत्पादन होता था अब 4-5 कट्टे रासायनिक खाद डालने पर भी उत्पादन नहीं बढ़ रहा है जिससे किसान की लागत बढ़ गई। 30 साल पहले किसान खेती के लिए कर्जा नहीं लेता था आज उसको कर्जा लेकर खेती करनी पड़ रही है। अत्याधिक रासायनिक खाद, पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर की अत्याधिक उपयोग से अन्न व पानी में भी जहर घुलता जा रहा है। इन खादों से पक्षी व मित्रकीट मारे जा रहे हैं जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है व पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ा है।

### मिट्टी की जांच करवा बढ़ाई बैदावार

आचार्य देवव्रत गुरूकल कुरूक्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि आज से 25 साल पहले 50 एकड़ जमीन पास के गांव वालों को लीज पर दी थी। दो साल पहले वे किसान मेरे पास आए और जमीन को बंजर बताते हुये वापस लौटा दी। जब जमीन की मिट्टी की जांच की गई तो उसका आर्गेनिक कॉर्बन 0.3 से 0.4 मिला जिस कारण फसल नहीं हो पा रही थी। उस जमीन में धनजीवामृत डाला तो पहले ही साल 20 से 25 क्विंटल धान प्रति एकड़ पैदा हुआ जो दूसरे साल बढकर 32 क्विंटल हो गया। जब दोबारा मिट्टी की जांच करवाई गई तो उसका आर्गेनिक कॉर्बन बढ़कर 0.8 से 0.9 हो गया।

हिसार। राज्यपाल आचार्य देवव्रत का स्वागत करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक ...20.9.2019... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...5-8...

# जैविक खेती के जरिये दोगुनी की जा सकती किसानों की आय

वैभव शर्मा • हिसार

जैविक खेती के जरिये किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। इस विधि से किसान की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ेगा। इसमें गो आधारित शून्य लागत वाली प्राकृतिक खेती भी शामिल है। मेरी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संबंध में बातचीत हुई है। केंद्र सरकार भी इसमें दिलचस्पी दिखा रही है और वह अगले पांच साल में किसानों की आय दोगुना करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

यह कहना है गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का। वे वीरवार को यहां हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की राष्ट्रीय कांफ्रेंस को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस कांफ्रेंस में देशभर के 69 कुलपति व उनके प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी ने जब उनसे किसानों की आय दोगुनी करने का जिक्र किया तो उन्होंने जैविक खेती का सुझाव प्रधानमंत्री को दिया। वे इससे काफी प्रभावित भी दिखे।

- आचार्य देवव्रत बोले- इस संबंध में पीएम मोदी से भी हुई है बात
- गुजरात के राज्यपाल ने देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की राष्ट्रीय कांफ्रेंस को किया संबोधित



हकृवि के वीसी प्रो केपी सिंह गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

### प्राकृतिक खेती के यह दिए उदाहरण

आचार्य देवव्रत ने बताया कि कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल में 50 एकड़ भूमि बंजर होने के कारण किसान उसे गुरुकुल को वापस कर गए थे। जब गुरुकुल ने एचएयू में मिट्टी की जांच कराई तो जमीन बंजर मिली। इसके बाद यहां प्राकृतिक तरीके से धान की खेती की गई तो पहली बार में ही 25 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार हुई। इस विधि को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं। यही नहीं, उन्होंने बताया कि पूर्व में जब वे हिमाचल प्रदेश में राज्यपाल थे तो वहां प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों को प्रेरित करने के लिए शिविर लगाए। उससे 10 हजार किसान जुड़े थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब केसरी .....
दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ....1-7.....

# 'कृषि विश्वविद्यालयों में दिया जाएगा नैचुरल फार्मिंग को बढ़ावा'

■ कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू ■ पेस्टीसाइड का छिड़काव करते हुए मात्र गंध से ही मर गए थे 40 किसान

प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

## ■ हर 50वां आदमी आज कैंसर व हार्टअटैक जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित

हिसार, 19 सितम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हुई। इस संगोष्ठी में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित हुए। मुख्यातिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य ने महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पिछले साल 40 किसान केवल पेस्टीसाइड का छिड़काव करते हुए उनकी गंध से ही मर गए। हर 50वां आदमी आज कैंसर व हार्टअटैक जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित है। इतने अस्पताल होने के बावजूद भी वहां बिस्तर खाली नहीं है क्योंकि मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। जहां पेस्टिसाइड का प्रयोग ज्यादा है वहां रोगों की संख्या उतनी ही ज्यादा है। उन्होंने पंजाब में बठिंडा से चलने वाली एक ट्रेन का जिक्र किया जिसे कैंसर ट्रेन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू के बारे में बताया कि सेब के उत्पादन में सालाना 13 से 14 स्प्रे किए जाते हैं इस कारण वहां कैंसर के मरीजों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है।

## रैंकिंग लागू होने से कृषि विवि का स्तर लगातार बढ़ रहा: कर्नल डा. पाठक

आई.ए.यू.ए. के अध्यक्ष व जूनागढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डा. ए.आर.पाठक ने आई.ए.यू.ए. के बारे में बताया कि साल में आई.ए.यू.ए. के 4 प्रोग्राम ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन, कॉन्फ्रेंस, सिम्पोजियम व एनुयल मीटिंग होते हैं। उन्होंने कहा कि आई.सी.ए.आर. और एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग लागू होने से कृषि विश्वविद्यालयों का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस संगोष्ठी में कृषि विश्वविद्यालयों को रैंकिंग सिस्टम में और अधिक सुदृढ़ करने के लिए और उसकी खामियों को दूर करने आदि विषयों पर और प्रयास करने के बारे भी चर्चा की जाएगी। हम देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में नैचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे। जिससे किसान की लागत कम होगी और उसकी आय में वृद्धि होगी।

## जहर मुक्त खेती की ओर वैज्ञानिकों को बढ़ाने होंगे कदम : आचार्य देवव्रत

आचार्य देवव्रत विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ।

हिसार (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्यातिथि थे।

आचार्य ने कहा कि पूरे भारत वर्ष में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अपनी पहचान बनाई और रैंकिंग में कृषि विश्वविद्यालयों में पूरे भारत वर्ष में नंबर-2 का संस्थान बन चुका है। उन्होंने लाइफ टाइम अचिवमैंट अवार्ड का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक स्वस्थ परंपरा है इससे आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने 60 के दशक का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पर पेट भरने के लिए अनाज नहीं था और आयात करना पड़ता था।

वैज्ञानिकों और किसानों की मेहनत से हरित क्रांति आई, जिससे बढ़ती हुई जनसंख्या का पेट भरा जा सका। हम धरती की क्षमता से अधिक दोहन कर चुके हैं जहां एक एकड़ में 10 से 20 किलो रासायनिक खाद से भरपूर उत्पादन होता था अब 4-5 कट्टे रासायनिक खाद डालने पर भी उत्पादन नहीं बढ़ रहा है जिससे किसान की लागत बढ़ गई। 30 साल पहले किसान खेती के लिए कर्जा नहीं लेता था, आज उसको कर्जा लेकर खेती करनी पड़ रही है। अत्याधिक रासायनिक खाद, पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर की अत्याधिक उपयोग से अन्न व पानी में भी जहर घुलता जा रहा है। इन खादों से पक्षी व मित्रकीट मारे जा रहे हैं जिससे पर्यावरण को भारी नुक्सान हुआ है व पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ा है। अब बिना पैस्टिसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर की जहर मुक्त खेती को बढ़ाने का काम भी वैज्ञानिकों के कंधों पर है।

मुझे विश्वास है कि इस जिम्मेदारी को वे बखूबी पूरा करेंगे। इस अवसर पर आई.ए.यू.ए. के अध्यक्ष व जूनागढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डा. ए.आर.पाठक, सचिव डा. आर.पी. सिंह व विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति सहित हकृवि के अधिकारी, वैज्ञानिक, छात्र व कर्मचारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ...1-4.....

# हर 50वां आदमी बीमारी से पीड़ित, जहर मुक्त खेती को बढ़ाएं वैज्ञानिक : देवव्रत

## एचएयू : इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसो. की संगोष्ठी में गुजरात के राज्यपाल ने की शिरकत

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। जिस प्रकार वैज्ञानिकों ने हरित क्रांति से देश को भूख से बचाने का काम किया था, उसी प्रकार आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए अब पेस्टीसाइड्स व केमिकल फर्टिलाइजर की जहरमुक्त खेती बढ़ाने का काम भी वैज्ञानिकों के कंधों पर है। फसलों में केमिकल के अत्यक प्रयोग से हर 50वां आदमी बीमारी से पीड़ित हो रहा है।

मुझे पूरा विश्वास है कि इस जिम्मेदारी को वह बखूबी पूरा करेंगे। यह बात गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कही। वह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन (आईएयू) की दो दिवसीय संगोष्ठी के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 60 के दशक में जब देश में पेट भरने के लिए अनाज नहीं था और आयात करना पड़ता था। वैज्ञानिकों और किसानों की मेहनत से हरित क्रांति आई। मगर आज हम धरती की क्षमता से अधिक दोहन कर चुके हैं। जहां एक एकड़ में 10 से 20 किलो रासायनिक खाद से भरपूर उत्पादन होता था, लेकिन अब 4-5 कट्टे रासायनिक खाद डालने पर भी उत्पादन नहीं बढ़ रहा है, जिससे किसान की लागत बढ़ गई। वहीं रासायनिक खाद, पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर की अत्यधिक उपयोग से अन्न व पानी में भी जहर घुलता जा रहा है। इनसे पक्षी व मित्र कीट मारे जा रहे हैं, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है।

संगोष्ठी को संबोधित करते गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत। -अमर उजाला

**कैंसर और हार्टअटैक के बढ़ रहे मरीज :** महाराष्ट्र में पिछले साल 40 किसान केवल पेस्टीसाइड का छिड़काव करते हुए उसकी गंध से ही मर गए। हर 50वां आदमी आज कैंसर व हार्टअटैक जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित है। राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू के बारे में बताया कि सेब के उत्पादन में सालाना 13 से 14 स्प्रे किए जाते हैं। इससे वहां कैंसर के मरीजों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है।

### प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की करेंगे कोशिश

आईएयू के अध्यक्ष व जूनागढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. एआर पाठक ने बताया कि आईसीएआर और एनआईआरएफ रैंकिंग लागू होने से कृषि विश्वविद्यालयों का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे, जिससे किसान की लागत कम होगी और उसकी आय में वृद्धि होगी।

### इन्हें मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को आईसीएआर रैंकिंग वर्ष 2018 के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में द्वितीय स्थान, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवॉर्ड और पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार 2017, हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवॉर्ड 2018 प्रदान होने का श्रेय इस विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों की मेहनत व प्रतिभा को जाता है। इस संगोष्ठी में कृषि क्षेत्र के उत्थान में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए 2015-16 के लिए स्वर्गीय डॉ. पीएस लांबा को और 2017-18 के लिए डॉ. देवराज बुम्बला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर मानव संसाधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, आईएयू के सचिव डॉ. आरपी सिंह आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. 20 कॉलम 1-8

# राज्यपाल बोले- रासायनिक दवाओं का प्रयोग बंद कर प्राकृतिक खेती को अपनाना हो

जागरण संवाददाता, हिसार : एचएयू द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के सहयोग से भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इस संगोष्ठी में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देववर्त मुख्य अतिथि रहे।

**महाराष्ट्र में पिछले साल 40 मर चुके, लोगों को कैंसर हो रहा है:** उन्होंने अपने पूरे वक्तव्य में खेती में रासायनिक दवाओं के प्रयोग के दुष्प्रभावों को रोकने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पिछले साल 40 किसान केवल पेस्टीसाइड का छिड़काव करते हुए दुर्गंध से ही मर गए। हर 50वां आदमी कैंसर व हार्टअटैक जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित है। इतने अस्पताल होने के बावजूद भी वहां बिस्तर खाली नहीं है। क्योंकि मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। जहां पेस्टिसाइड का प्रयोग ज्यादा है वहां रोगों की संख्या उतनी ही ज्यादा है। उन्होंने पंजाब में भटिंडा से चलने वाली एक ट्रेन का जिक्र किया जिसे कैंसर ट्रेन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ें। उन्होंने कहा कि एचएयू जब भी आता हूं कुछ नया दिखाई देता है।

मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देववर्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ। • जागरण

**धरती की यह हुई हालत कि उत्पादन भी घट रहा:** राज्यपाल ने कहा कि हम धरती की क्षमता से अधिक दोहन कर चुके हैं। जहां एक एकड़ में 10 से 20 किलो रासायनिक खाद से भरपुर उत्पादन होता था अब 4-5 कट्टे रासायनिक खाद डालने पर भी उत्पादन नहीं बढ़ रहा है जिससे किसान की लागत बढ़ गई। 30 साल पहले किसान खेती के लिए कर्जा नहीं लेता था आज उसको कर्जा लेकर खेती करनी पड़ रही है। अत्याधिक रासायनिक खाद, पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर की अत्याधिक उपयोग से अन्न व पानी में भी जहर घुलता जा रहा है। इन खादों से पक्षी व मित्रकीट मारे जा रहे हैं जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है व पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ा है।

**रैंकिंग लागू होने से कृषि विवि का बढ़ रहा स्तर**

आइएयूए के अध्यक्ष व जूनागढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डा. एआर पाठक ने आइएयूए के बारे में बताया कि साल में आइएयूए के चार प्रोग्राम ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन, कांफ्रेंस, सिम्पोजिम व एनुअल मिटिंग होते हैं। उन्होंने कहा कि आइसीएआर और एनआइआरएफ रैंकिंग लागू होने से कृषि विश्वविद्यालयों का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस संगोष्ठी में कृषि विश्वविद्यालयों को रैंकिंग सिस्टम में और अधिक सुदृढ़ करने के लिए और उसकी खामियों को दूर करने आदि विषयों पर और प्रयास करने के बारे भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा हम देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे।

**इन विषयों पर किया मंथन :** कुलपति प्रो केपी ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक - आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने और एनआइआरएफ और आइसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता है। कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर आइएयूए के सचिव डा. आरपी सिंह व विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति सहित देशभर से अधिकारी, वैज्ञानिक, छात्र व कर्मचारी उपस्थित रहे। आए कुलपति शुक्रवार को कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल में आचार्य देवव्रत द्वारा की गई प्राकृतिक खेती को देखेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 20.9.2019 पृष्ठ सं. ..... 6 ..... कॉलम ..... 3-5 .....

# क्रिकेट : एग्रीकल्चर कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज में होगा फाइनल

माई सिटी रिपोर्टर

मुख्य अतिथि के साथ एग्रीकल्चर कॉलेज और बेसिक साइंस कॉलेज की टीमें।

- इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बेसिक साइंस कॉलेज की टीम को हराया

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में वीरवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। इस दौरान एग्रीकल्चर कॉलेज की टीम ने बेसिक साइंस कॉलेज और एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज ने वेटरनेरी कॉलेज लुवास की टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मौके पर डीआर डॉ. एसके सहरावत, डीएसडब्ल्यूओ डॉ. डीएस दहिया, डॉ. सुशील लेघां, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. मनेंद्र, डॉ. मुकेश दूहन, ओपी भादू, रमेश चौधरी, सुंदरपाल, निर्मल सिंह, अनुराग गोयल, अजय खुराना आदि मौजूद रहे।

पहला सेमीफाइनल मुकाबला एग्रीकल्चर कॉलेज व बेसिक साइंस कॉलेज के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते एग्रीकल्चर कॉलेज की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 157 रन बनाए। इस दौरान बल्लेबाज अभिषेक ने 56 गेंदों में शानदार 58 रनों की पारी खेली। बल्लेबाज दिनेश ने 50 गेंदों में 72 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों की मदद से टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। विरोधी टीम की तरफ से गेंदबाज संतीश ने 22 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जबकि सैंडी व संजीव ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेसिक साइंस कॉलेज की शुरुआत ठीक रही। शुरुआती 10 ओवरों में टीम ने 70 रन बना लिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि टीम यह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मगर विरोधी टीम के गेंदबाजों ने दो-तीन ओवर अच्छे निकाले, जिनमें रन कम गए, साथ ही विकेट भी गिरे। इससे बेसिक साइंस कॉलेज की टीम दबाव में आ गई। इस तरह टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 133 रन नही बना सकी। एग्रीकल्चर कॉलेज ने यह मुकाबला 24 रनों के अंतर से जीत लिया। अच्छे प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैच ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

**कम स्कोर के बावजूद रोमांचक रहा मुकाबला** : दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज व वेटरनेरी कॉलेज की टीम के बीच हुआ। हालांकि यह मैच लो स्कोरर था, लेकिन मैच काफी रोमांचक रहा। पहले बल्लेबाजी करते वेटरनेरी कॉलेज की टीम ने निर्धारित 29 ओवरों में 94 रन बनाए। टीम के सलामी बल्लेबाज राजेंद्र ने सर्वाधिक 30 रन आए और रविंद्र ने 14 रनों का योगदान दिया। इंजीनियरिंग कॉलेज की तरफ से गेंदबाज जसमीत ने सात रन देकर दो विकेट, अभिरूप ने 18 रन देकर दो विकेट और कन्हैया ने 14 रन देकर दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम भी यह स्कोर आसानी से नहीं सकी। 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर विजयी रन बनाकर टीम ने मैच अपने नाम किया। टीम ने तीन विकेट से यह मैच जीता। बल्लेबाज कन्हैया ने 37 गेंदों में 32 रन और अजय ने 35 गेंदों में 22 रन बनाए। वेटरनेरी कॉलेज के गेंदबाज रविंद्रने 22 रन देकर तीन और राजेंद्र ने 24 रन देकर एक विकेट लिया। बढ़िया प्रदर्शन के लिए कन्हैया को मैन ऑफ मैच घोषित किया गया।